

countries from which they were imported and whether these varieties were sufficiently disease-resistant; and

(b) whether any variety of disease-resisting sugarcane has been produced as a result of the hybridization conducted with these varieties?]

**खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन) :** (क) पिछले वर्ष में व्यावसायिक गन्ने की आयात की हुई किस्मों की संख्या १८० थी। मूलतः ये किस्में बार्बडोस, ब्राजील, चार्डना, कोलम्बिया, क्यूबा, प्यूरटो राईको, क्वीन्सलैन्ड, तैवान और १०० एस० ए० से आई हैं। उन में से बहुत सी उन रोगों को जो मूल देश में फैली हुई हैं अधिक या न्यून रोकने की शक्ति रखती हैं।

(ख) अभी नहीं। गन्ने की गांठें केवल ३ या ४ मास पहले ही प्राप्त हुई थी। पहले वर्षों में आयात हुई कुछ विदेशी किस्में शूगरकेन ब्रीडिंग इन्स्टीट्यूट, कोम्बटूर (Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore) में प्रजनन के लिये पहले ही इस्तेमाल की जा चुकी हैं।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN):

(a) The number of commercial sugarcane varieties imported last year was 180. These varieties are originally from Barbados, Brazil, China, Columbia, Cuba, Puerto Rico, Queensland, Taiwan and U.S.A. Most of them are more or less resistant to the diseases prevalent in the respective countries of their origin

(b) Not yet. The cuttings were received only 3 or 4 months ago. Certain foreign varieties imported in earlier years have already been used in breeding at the Sugarcane Breeding Institute, Coimbatore.]

**गवेषणालयों द्वारा उदादिता गन्ने की नई किस्में**

**७५. श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री खाद्य तथा कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग) के १९५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ५४-५५ पर पैरा १३ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५६-५७ में गवेषणालयों से कोयम्बटूर गन्ने की जो बीस नई किस्में निकली हैं, वे क्या क्या हैं, और उनकी क्या क्या विशेषताएँ हैं ; और

(ख) गन्ने की इन किस्मों को पदा करने के लिये कौन-कौन से क्षेत्र अनुकूल हैं और प्रचलित किस्मों के मुकाबिले में वे किस्में कैसे उत्तम हैं ?

†[NEW VARIETIES OF SUGARCANE PRODUCED BY THE RESEARCH INSTITUTES

75 SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to paragraph 17 on pages 54-55 of the Annual Report of the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture) for 1956-57 and state:

(a) the names and the characteristics of the twenty new varieties of Coimbatore Sugarcane produced by the research institutes in the year 1956-57; and

(b) the areas which are suited for growing these varieties of sugarcane and in what respect they are superior to the varieties commonly used?]

**खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन) :** (क) एक सूची नती कर दी गई है। इन किस्मों में अधिक रस होता है, जल्दी तैयार हो जाती है और बहुत से रोगों को बरदाश्त कर सकती है। (देखिये परिशिष्ट १८, अनुपत्र संख्या १२)

(ख) इन किस्मों को चुनने के समय बहुत से ट्रेक्ट्स की बदलती हुई जरूरत को ध्यान में रखा गया था। अब इन किस्मों पर राज्य प्रयोगिक स्टेशनों में जांच हो रही है। इन की जांच पूरी हो जाने पर, इन किस्मों

की आजकल इस्तेमाल होने वाली किस्मों से उत्तमता और विभिन्न क्षेत्रों में उनको उप-युक्तता जानी जायेगी।

†[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) A list is appended. These varieties are rich in Juice, early maturity and tolerance to the major diseases. (See Appendix XVIII, Annexure No. 12.)

(b) The varying needs of the several tracts were kept in view at the time of the selection of these varieties. The varieties are now undergoing trial in the State Experimental Stations. Their superiority to the varieties now in use and their suitability to different areas will be known only after the trials are complete.]

#### CONSUMPTION AND EXPORT OF SUGAR

76. SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantity of sugar consumed in the country during each month from March 1957 to June 1957; and

(b) the quantity of sugar exported during each month from January, 1957 to June, 1957?

THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN):

(a) The quantity of sugar despatched by the factories for consumption from March to June, 1957 is as under:

	(Lakh tons)
March . . . . .	1.86
April . . . . .	1.69
May . . . . .	1.69
June . . . . .	1.79

(b) Month (1957)	Sugar exported (Tons)
January . . . . .	Nil
February . . . . .	2,086
March . . . . .	19,852
April . . . . .	12,590
May . . . . .	8,064
June . . . . .	17,931

#### DESPATCH OF WAGONS FOR BANANAS

77. SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of wagons despatched from stations between Chalisgaon and Burhanpur for bananas during the year 1956-57; and

(b) the freight earned by Government for the wagons during the same period?

THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN):

(a) and (b):

Wagons booked at 'coaching' rate during 1956-57		Wagons booked at 'goods' rate during 1956-57	
Number	Earnings	Number	Earnings
4,989	Rs. 50,61,289	2,140	Rs. 6,18,682

केन्द्रीय आनू गवेषणालय के आरीन क्षेत्रीय केन्द्रों का खोला जाना

७८. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री, खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के १९५६-५७ के प्रतिवेदन के पृष्ठ ४८ पर पैरा ५ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय आनू गवेषणालय के अधीन जो पांच क्षेत्रीय केन्द्र खुलने वाले हैं, वे कहाँ कहाँ पर खुलेंगे और उन में कितने लोग कार्य करेंगे और उन पर कितना धन खर्च किया जायेगा ?

†[OPENING OF REGIONAL CENTRES UNDER THE CENTRAL POTATO RESEARCH INSTITUTE

78. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to paragraph 5 on page 48 of the